पोरपीटा पोरपीटा (*Porpita porpita*)

पोरपीटा पोरपीटा को नीले बॉटम जेलीफिश के रूप मै जाना जाता है। यह बास्तब मै एक जेलीफिश नहीं है वलकी भसमान हायड्रोजोयान (hydrozoans) है। इस समुद्रीक जीव उष्णकटीबंधीय ओर उपउष्णकटीबंधीय जल मै पाये जाने वाले एक हयद्रोइड्स (hydroids) कोलोनी है। ओड़ीशा तटीय जल मे पोर्पिटा का झुंड रेकॉर्ड किया गया था । धक्षिण ओड़ीशा के विभिन्न समुद्री तटो से इस प्रजाति के जेलीफिश पाएजानेका दसताबीज हे। इस प्रजाति का डंक शक्तिशाली नहीं है, लेकिन मानब त्वचा मै जलन पैदा कर सकता है ।

पेलजिया नोक्टिलुका (*Pelagia noctiluca*)

पेलाजिडए (Pelagiidae) परिवार से संबंधित यह जेलीफिश बहुत छोटा तथा सम्पूर्ण प्लाबक स्कीफोज़ोआन (Scyphozoan) है। आम तौर पर यह जेलीफिश की बिस्तृती उष्ण ओर शीतोष्ण तापमान वाला पानी मे पाया जाता है । ओड़ीशा के पूरी तटीय जल मे यह प्रजाति की झुंड रेकॉर्ड किया गया हे। धक्षिण ओड़ीशा के बिभिन्न समुद्र तटो पर इस प्रजाति के स्थानीय अंतरपणन भी दस्ताबेजीकरण किया गया हे। यहा प्रजाति खासकर अपने जैबासंदीप्ति के लिए जाने जाते है। इस की डंक दर्दनाक होता हे परंतु जानलेवा नेही है।

प्राथमिक उपचार :

- *Porpita porpita, pelagia noctiluca, Lobonemoides, Rhopilema, Chrysaora, Cyanea, Lychnorhiza, Crambionella* तथा *Catostylus* प्रजातियों के डंक जानलेवा नहीं है ओर डंक द्वारा उत्पन्न दर्द/घाव/ज्वलन आदि से किरानी दुकानो मे उपलब्ध आम सिरका द्वाराआसानी से उपचार किया जा सकता है ।
- जेलीफिश डंक के लिए कभी किसीबी प्रकार के मीठा पानी या बरफ खंड के उपोयोग न करें ।
- Portuguese man-of-war (*Physalia physalis*) डंक के मामले मे प्रभाबित जगहा पर सिरका/ पेशाप का उपयोग ना करे, इसके वोजाहा केबल गरम पानी का उपोयोग करें ।
- यदि आप box jellyfish/ Portuguese man-of-war से दंसित हो ओर आपको सांस लेने मैं कटिनाई होती है, तो तुरंत पास के चिकित्सालय मे परामर्स करें।

प्रकाशक:

डॉ. ए. गोपालकृष्णन , निदेशक

भा. कृ. अनु. प. – केन्द्रीय समुद्री मत्सिकी अनुसंधान संस्थान
पोस्ट बोक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्थ पी. ओ.
कोच्ची-682 018, केरल, भारत.

संकलन :

सुबल कुमार राउल, राजेश कुमार प्रधान, मेनका दास, प्रलय रंजन बेहेरा, राजू सरभनान और सुभदीप घोष

*पूरी खेत्र केंद्र, भा. कृ. अनु. प. – केन्द्रीय समुद्री मत्सिकी अनुसंधान संस्थान, स्टेशन रोड़, पूरी - ७५२ 00 २, ओड़ीशा, भारत

प्रोजेक्ट कोड़े: एम्. बी. डी. /जे. एल्. य./३२
सी. एम्. एफ्. आर्. आइ. पंप्लेट सं . : ८७/२०२०

ओड़ीशा तट पर जेली मछलिओ का बिबिधता और बितरन –

जेली मछलिओ का डंक की प्राथमिक उपचार

भा. कृ. अनु. प. – केन्द्रीय समुद्री मत्सिकी अनुसंधान संस्थान

पोस्ट बोक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्थ पी. ओ.
कोच्ची-682 018, केरल, भारत.
www.cmfri.org.in

कारीबड़िया प्रजाति (*Carybdea sp.*)

ओड़ीशा के तटीय समुद्री क्षेत्र सर्वेक्षण के दोरान बोक्स जेलीफिश की एक प्रजाति पहचान किया गया है। यह जेलीफिश का मेडुसा रूप छोटा, गुंबन्द से बोक्स के आकार का शरीर होता है ,जिसमे चार छोटे पेडलिया या स्टक होते है, जिसमें एक या अधिक लंबे ,पतले ओर खोखले स्पर्सक होते है । इसका शरीर का रंग सफ़ेद होता है । आम तोर पर बोक्स जेलीफिश अत्यधिक जेहेरीला ओर जानलेवा होते है । इसका डंक अत्यधिक खतरनाक है जो गंभीर पीठ दर्द, मांसपेशीवो मैं एंठन ओर उलटी जेसी लक्षण पेदा करता है । मछवारे आम तोर पर इस जेलीफिश के बारे मैं जानते है ओर खाली हाथसे नहीं छूते है । यदि आप बोक्स जेलीफिश से दंसित होते है ओर सांस लेने मै कठिनाई हो रहे है , तुरंत नजदीक चिकित्सालय मैं परामर्श करे।

रोपिलेमा प्रजाति (*Rhopilema sp.*)

इस जाति के एक ही प्रजाति (*Rhopilema hispidum*) ओड़ीशा के तटीय जल मैं पाया जाता है । यह एक rhizostome जेलीफिश जोकि Rhizostomatidae वंश के अन्तर्गत हे। इस प्रजाति के जेलीफिश अधिक डंक मारते है । मछुवारों को ईस जेलीफिश को खाली हाथो से ना छूनेकी सलाह दी जाती है। अगर ईस जेलीफिश के डंक के कारण ज्वलन होती है, तो त्वचा को रगड़े बिना खुजली /ज्वलन वाले स्थान पर सिरका लगाने से आराम मिलता है।

क्राम्बिओनेल्ला प्रजाति (*Crambionella* sp.)

इस जाति की जेलीफिश के ३ प्रजाति भारत के समुद्री तट पर पाये जाते हे। एक ही प्रजाति क्रम्बिओनेल्ला अन्नंदलेई (*Crambionella annandalei*) ओड़ीशा के तट में पायी जाती है । इस प्रजाति की जेली मछली की छत्री अर्धा गोला या गुंबद्ध आकार की होती हैं । यह जादातर तट के आस पास कम गेहेरे पनि पर मिलती है, तथा ट्राव्ल और गिल्ल नेट की सहायता से पकड़े जाते है । इस प्रजाति की मुख्य पंख की मांग बहुत ज्यादा पायी जाती हैं, तथा अधिक मात्रा मैं दक्षिणपुर्ब एसियामैं निर्यात की जाती हैं । इस जेलीफिश डंक नहीं मारते जिस के कारण इसको पकड़ने तथा छूने मैं आसानी होते हैं ।

लोबोनीमोइडेस प्रजाति (*Lobonemoides* sp.)

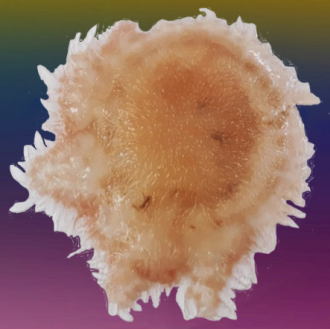

ईस जेलीफिश की तीन प्रजातियों विश्व महासागर मैं पाये जाते है । हालांकि , ईस जाती की केबल एक प्रजाति (*Lobonemoides robustus*) ओड़ीशा के तटीय जल मैं मिलते है । यह भी एक lobonematidae परिवार के अंतर्गत एक schyphozoan जेलीफिश है । यह जेलीफिश प्रजाति विशाल तथा दुर्लभ होते है। इस प्रजाति कभी कभी कुछ संख्या मै अन्य प्रजातियों के साथ आती है ,ज्यादातर *Chrysaora chinensis* के साथ किनारे पे खिचने वाले जाल (shore seine) से मिलती है। इसकी स्पर्सक या डंक से खुजली होती है लेकिन कोई जहरीला प्रभाव नहीं होता है।

क्रायसोरा प्रजाति ((*Chrysaora* sp.)

ईस जेलीफिश की दो से अधिक प्रजातियाँ भारत के तटीय जल मैं मौजूद है । ओड़ीशा के तटीय जल मैं केबल दो प्रजातियाँ पाये जाते है । यह जेलीफिश की डंक शक्तिशाली है ,लेकिन जानलेवा नेही है। यदी आप समुद्र तटों पर ईस प्रजाति की सम्पर्क मैं आते है, तो खाली हाथो से ना छुएँ। यह एक Pelagiidae परिवार से संम्बधित Schyphozoan जेलीफिश है ओर ओड़ीशा तट पे सबसे आधिक मात्रा मैं पाये जाते है ।

फायसालिया प्रजाति (Physalia sp)

आम तोर पर "Portuguese man–of-war" के रूप मै जाने जानी वाले फायसालिया प्रजाति एक समुद्री Hydrozoans है जो Physaliidae परिबार से संम्बधित है । इस जाती के एक प्रजाति (*Physalia physalis*) ओड़ीशा के तट पर मिलते है। इस की डंक मनुष्य के लिए बहुत दर्दनाक ओर दुर्लव अबसर पर घातक हो जाता है । *Physalia* के डंक पर कभी भी सिरका ना लगाए परंतु गरम पनि का ईस्थेमाल करे जोकि उसकी Nematocyst को निष्क्रिय कर देता है।

लायक्नोर्जा (*Lychnorhiza* sp.)

यह ओड़ीशा के तटीय जल मैं पाये जाने वाले Lychnorhizidae से संम्बधित एक schyphozoan जेलीफिश है। यह प्रजाति आकार मैं छोटे ओर कभी कभी gillnet ओर shore seines मैं अछि संख्या मै आते है । यह आम तौर पर डंक नेही मारती और मनुष्य के लिए हानिकारक नेही है।